घर दे न मुकने कम वे

घर दे न मुकने कम वे चल वृद्धावन चलिए,
वृद्धावन चलिए बरसाने चलिए,

भजन बिना न सारी ज़िंदगी लंगा लई,
कुज रह गई कुज दुख ने खा लाई,
किसे काम आणि न चम् वे चल वृद्धावन चलिए ,
घर दे न मुकने कम,.....

गिन गिन मनके माला फेरे,की आउ दस ठाकुर तेरे,
छड़ चतुराइयाँ ला ले मन वे चल वृद्धावन चलिए ,
घर दे न मुकने कम,.....

दौलत जुड़ जाऊ शोरत जुड़ जाऊ,
किती करवाई सारी खु विच रुड जाऊ,
लेन जदो आ गए याम वे चल वृद्धावन चलिए ,
घर दे न मुकने कम,.....

बांके बिहारी जी दा दर्शन जे पाना,
श्री हरिदासी कोलो लेला सिरनामा,
संता दे फड़ लाई चरण वे,
चल वृद्धावन चलिए ,
घर दे न मुकने कम,.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5609/title/ghar-de-na-mukane-kam-ve-chal-vridhavan-chaliye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |